बेरोजगारी में वृद्धि

*70. **श्रीमती सरला माहेश्वरी:** क्या श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि गत तीन वर्षों के दौरान बेरोजगारी में काफी वृद्धि हुई है;

(ख) गत तीन वर्षों में सरकारी क्षेत्र के उद्योगों सहित सभी उद्योगों में बेरोजगारी के आंकड़े क्या रहे हैं; और

(ग) बेरोजगारी में वृद्धि को रोकने के लिये कौन-कौन से उपाय किये जा रहे हैं?

श्रम मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी० ए० संगमा): (क) से (ग) 1991—93 के दौरान बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या निम्न प्रकार अनुमानित की गई है:—

अप्रैल के अनुसार	मिलियन में
1991	13.4
1992	17.0
1993	17.8

आठवीं पंचवर्षीय योजना में रोजगार पर विशेष बल दिया गया है। योजना में ऐसे सैक्टरों, सब-सैक्टरों तथा क्षेत्रों की तीव्रतर वृद्धि सहित आर्थिक विकास की उच्च दर की आवश्यकता पर बल दिया गया है जिनमें रोजगार सृजन की गति को बढ़ाने के लिए अपेक्षाकृत उच्च रोजगार सम्भाव्यता है। भौगोलिक रूप से और फसलवार विविधीकृत कृषि विकास, बंजर भूमि तथा वानिकी का विकास, ग्रामीण गैर-कृषि क्षेत्र तथा ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं का विकास, लघु तथा विकेन्द्रीकृत विनिर्माण की तीव्रतर वृद्धि तथा आवास का विस्तार योजना में परिकल्पित रोजगारोन्मुख विकास नीति के मूल तत्व हैं।

वाणिज्य मंत्रालय में कर्मचारियों की संख्या में कमी करने संबंधी समिति

*71. **श्री अजीत जोगी:**
चौधरी हरि सिंह:

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने वाणिज्य मंत्रालय के विभिन्न विभागों में कर्मचारियों की संख्या में कमी करने हेतु समीक्षा करने के लिए किसी समिति का गठन किया है;

(ख) यदि हां, तो उक्त समिति से कब तक अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर देने के लिए कहा गया है; और

(ग) समिति ने कर्मचारियों की संख्या में कमी करने हेतु किन मानदंडों को अपनाया है?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी): (क) जी, हां।

(ख) और (ग) सरकार ने उदारीकृत विदेश व्यापार नीति के संदर्भ में विदेश व्यापार महानिदेशालय संगठन को स्टॉफ संबंधी आवश्यकताओं का पता लगाने के लिए एक विभागीय समिति का गठन किया था। समिति ने फरवरी, 1993 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

समिति ने संगठन की स्टाफ संबंधी आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए संशोधित नीति के अंतर्गत डी०जी०एफ०टी० संगठन को सौंपे गए नए दायित्वों को और वर्तमान कार्य-भार को मानदंड के रूप में अपनाया है।

Study on Tobacco Exports

*72. SHRI MENTAY PADMANABHAM: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Commerce Ministry had noted the study of National Council for applied Economic Research on the huge potential for tobacco exports;

(b) what is the reaction of the Ministry to the study; and

(c) what corrective steps are required to enable the tobacco sector to increase exports?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) and (b); Yes Sir, Commerce Ministry is aware that NCAER has carried out a study on the Export Potential of Tobacco Sector at the Instance of the Tobacco Institute of India which is a private body. Ministry of Commerce has however not received the full report of NCAER and is therefore not in a position to indicate its reactions to it.

(c) Government has through the